(2) हिन्दी में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम. ए.) (MASTER OF ARTS IN HINDI.):

(एम.ए. हिन्दी की पाठ्य संरचना एवं संक्षिप्त सिलेबस)

उद्देश्य : यह सर्वविदित है कि भाषा मानव के अभिव्यक्ति का माध्यम है और साहित्य एतद सम्बन्धी भाषा क्षेत्र में रहने वाले सामाजिक कृत्यों का दर्पण । हिन्दी भाषा भारत में रहने वाले अधिकतर जनों की मातृभाषा है । हिन्दी भाषा में हमारी सभ्यता और संस्कृति के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियों की स्पष्ट छाप मिलती है । लोकप्रियता की दृष्टि से हिन्दी भारत की सबसे महत्वपूर्ण भाषा है । इसकी अपनी लिपि, अपना साहित्य और अपना स्वरूप है । इस भाषा का साहित्य अत्यन्त प्राचीन और समृद्ध है । **इस पाठ्यक्रम में नामांकन के लिये न्यूनतम योग्यता स्नातक है।**

पाठ्यक्रम संरचना एवं परीक्षा नियमावली : हिन्दी में एम.ए. पाठ्यक्रम में कुल 16 पत्र होंगे (प्रथम वर्ष में कुल 8 पत्र एवं द्वितीय वर्ष में कुल 8 पत्र)। प्रत्येक पत्र 100 अंकों का होगा और प्रत्येक पत्र की परीक्षा अवधि तीन घंटे की होगी । सभी सैद्धान्तिक पत्रों में 80 अंकों के लिये तीन घंटों की परीक्षा होगी एवं 20 अंकों का सत्रीय कार्य जमा करना होगा ।

परीक्षा नियमों के अनुसार प्रत्येक पत्र में उत्तीर्ण होना आवश्यक है । उसके बाद ही विद्यार्थी को उस वर्ष/पार्ट की परीक्षा में उत्तीर्ण समझा जायेगा और अगले वर्ष/पार्ट में प्रोमोट किया जा सकेगा । इस पाठ्यक्रमों में उत्तीर्णता के लिये सभी पत्रों में कम से कम 33% अंक प्राप्त करना आवश्यक है । उपर्युक्त रूप से निर्धारित प्रतिशत प्राप्तांकों की गणना प्रत्येक पत्र की लिखित परीक्षा तथा सत्रीय कार्य में प्राप्त कुल अंकों को जोड़कर की जायेगी । इसी प्रकार सभी पत्रों में अंकों की गणना की जायेगी, परन्तु यदि किसी पत्र के लिखित परीक्षा अथवा सत्रीय-कार्य में शून्य अंक प्राप्त होता है तब उस पत्र में अनुत्तीर्ण समझा जायेगा । एक भी पत्र में अनुत्तीण होने का अर्थ यह होगा कि वह विद्यार्थी उस पार्ट की परीक्षा में अनुत्तीर्ण समझा जायेगा और उसे फिर से परीक्षा देनी होगी तथा सत्रीय कार्य जमा करना होगा । अतः विद्यार्थियों को पूरी सतर्कता से लिखित परीक्षा तथा सत्रीय-कार्य की तैयारी करनी चाहिये जिससे कि दोनों का अंक मिलाकर वे प्रत्येक पत्र में उत्तीर्णता प्राप्त कर सकें और इस प्रकार अगले पार्ट में प्रोमोशन के योग्य हो जायें । पत्रों का विवरण निम्नवत है :

पत्र संख्या	पत्र का नाम	अंकों का वितरण		उत्तीर्ण होने के लिये आवश्यक न्यूनतम अंक (लिखित परीक्षा+सत्रीय कार्य)
		लिखित परीक्षा	सत्रीय कार्य	
	प्रथम वर्ष			
1.	हिन्दी-साहित्य का इतिहास (आदि एवं मध्यकाल)	80	20	33
2	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	80	20	33
3	हिन्दी कथा-साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	80	20	33
4	भाषाविज्ञान (सैद्धान्तिक)	80	20	33
5	भारतीय काव्य शास्त्र	80	20	33
6	हिन्दी से इतर भारतीय साहित्य	80	20	33
7	प्रयोजन मूलक हिन्दी	80	20	33
8	हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ एवं उनकी आलोचना-पद्धति	80	20	33
	कुल	**640**	**160**	**264**

	द्वितीय वर्ष			
9	हिन्दी-साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	80	20	33
10	आधुनिक काल (छायावाद से लेकर प्रगतिवाद तक)	80	20	33
11	प्रयोगवाद एवं समकालीन साहित्य	80	20	33
12	नाटक और रंगमंच	80	20	33
13	निबन्ध तथा अन्य गद्य विधायें	80	20	33
14	हिन्दी भाषा की संरचना	80	20	33
15	आधुनिक कथा साहित्य	80	20	33
16	पाश्चात्य आलोचना और शैली विज्ञान	80	20	33
	कुल	**640**	**160**	**264**